JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE, LADNUN

DISTANCE EDUCATION EXAMINATION - 2022

SUBJECT - JAINOLOGY AND COMPARATIVE RELIGION & PHILOSOPHY

M.A. FINAL

PAPER V - JAIN CANONICAL LITERATURE

TIME : 3.00 HOURS **ROLL NO. .....** **MM : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. आचारांग सूत्र के अनुसार षड् जीव निकाय की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

Clarify the concept of Six types of Jeva on the basis of Acharanga Sutra.

अथवा / OR

आचारांग सूत्र की विषय वस्तु पर प्रकाश डालें।

Throw light on the subject metter of Acharanga Sutra.

प्र. 2. सूत्रकृतांग के आधार पर बंधन एवं मुक्ति के सिद्धान्त को स्पष्ट करें।

Clarify the concept of bondage and liberation on the basis of Sutrakritanga Sutra.

अथवा / OR

सूत्रकृतांग के आधार पर पंचभूतवाद और नियतिवाद की जैन दृष्टि से समीक्षा करें।

Analyzed criticaly Panchbhutavad and Niyativad according to Jainism on the basis of Sutrakritang.

प्र. 3. भगवती सूत्र में प्रतिपादित कांक्षामोहनीय के स्वरूप को विस्तार से समझाएं।

Explain in detail the concept of Kanksha Mohaniya mentioned in Bhagvati Sutra.

अथवा / OR

भगवती सूत्र के आधार पर कर्म वेदना और कर्म निर्जरा को स्पष्ट करें।

Clarify the concept of Karm Vedana and Karma Nirjara on the basis of Bhagvati Sutra.

प्र. 4. दसवैकालिक सूत्र की विषय वस्तु पर प्रकाश डालें।

Throw light on the main theme of Dashavekalik Sutra.

अथवा / OR

उत्तराध्यन सूत्र के आधार पर गुरू शिष्य के सम्बन्धों पर प्रकाश डालें।

Throw light on the relation of Guru and Shishya on the basis of Uttaradhyayan Sutra.

प्र. 5. समयसार में वर्णित जीव के शुद्ध स्वरूप पर प्रकाश डालें।

Throw light on the pure nature of Jeva as explained in Samayasar.

अथवा / OR

निम्न की व्याख्या कीजिए– / Explain the following-

(i) जीवो चरित्तदंसणणाणट्ठिदो तं हि ससमयं जाण।
पोग्गलकम्मपदेसट्ठिदं च तं जाण परसमयं।।

(ii) ण वि होदि अप्पमत्तो ण पमत्तो जाणगो दु जो भावो।
एवं भणंति सुद्धं णादो जो सो दु सो चेव।।

♦♦♦

उत्पाद–व्यय–ध्रौव्य के भेदाभेदवाद को व्याख्यायित करें।

Explain Bhedabhedavada with regards to Utpada-Vyaya-Dhrouvya (origination, cessation and permanence).

प्र. 3. प्रमाण सप्तभंगी व नय सप्तभंगी को सोदाहरण समझाएं।

Explain Praman-Saptabhangi and Naya-Saptabhangi with example.

अथवा / OR

अनेकान्तवाद व स्याद्वाद के सम्बन्ध को समझाएं।

Explain the relation between Anekantavada and Syadvada.

प्र. 4. जैनाचार्यों द्वारा प्रतिपादित 'नयवाद' की अवधारणा को समझाएं।

Explain the concept of 'Nayavada' as propounded by Jainacharyas.

अथवा / OR

निक्षेप सिद्धान्त को उदाहरण सहित समझाएं।

Explain Nikshepa theory with example.

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिये –

Write short notes on any four of the following :

(i) अनुयोग द्वार सूत्र / Anuyogadwara Sutra
(ii) आचार्य सिद्धसेन / Acharya Siddhasena
(iii) द्रव्यदृष्टि–पर्यायदृष्टि/ Dravya Drishti-Paryaya-Drishti
(iv) संग्रहनय–व्यवहारनय / Sangraha Naya-Vyavahara Naya
(v) गुण–पर्याय–द्रव्य/ Guna-Paryaya-Dravya
(vi) स्यात् पद / Use of the word Syat.

♦♦♦

JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE, LADNUN

DISTANCE EDUCATION EXAMINATION - 2022

SUBJECT - JAINOLOGY AND COMPARATIVE RELIGION & PHILOSOPHY

M.A. FINAL

PAPER VI - ANEKANTA, NAYA, NIKSHEPA AND SYADAVAD

TIME : 3.00 HOURS **ROLL NO. .....** **MM : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. आचार्य सिद्धसेन के मतानुसार व्यंजनपर्याय व अर्थपर्याय के स्वरूप को स्पष्ट करें।

Elaborate the concept of Vyanjan-Paryaya and Arthaparyaya according to Acharya Siddhasena.

अथवा / OR

'नय' से आप क्या समझते हैं? इसका महत्त्व क्या है? ऋजुसूत्र नय व एवम्भूत नय पर प्रकाश डालें।

What is meant by Naya? What is its importance? Throw light on Rijusutra Naya and Evambhuta Naya.

प्र. 2. सन्मतितर्क ग्रन्थ के अनुसार जीव व पुद्गल में भेद है या अभेद? विस्तार से बताएं।

Is there Bheda or Abheda between Jiva and Pudgala according to Sanmatitark text? Elaborate.

अथवा / OR

जैन और बौद्ध के अनुसार अहिंसा के महत्त्व की व्याख्या कीजिए

Explain the importance of Non-violence according to Jain & Bouddha.

प्र. 3. जैन कर्मवाद पर एक निबन्ध लिखिए।

Write an essay on Jain Karmavad.

अथवा / OR

जैन और वेदान्त की अविद्या पर प्रकाश डालिए।

Throw light on Jain and Vedant's Avidya.

प्र. 4. अनुमान किसे कहते हैं? जैन और न्याय के अनुसार इसके स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

What do you mean by Anuman (Inference)? Write its nature according to jain and Nyaya.

अथवा / OR

न्याय की प्रमाण मीमांसा पर एक निबन्ध लिखिए।

Write an essay on Nyaya's Praman-mimansa.

प्र. 5. किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए–

Write short notes on any four of the following-

(i) आत्मा (बौद्ध)/Soul (Bouddha)

(ii) कारण कार्यवाद (सांख्य)/Cause & Effect theory (Samkhya)

(iii) बाह्य तप (जैन) /External penance (Jain)

(iv) व्रत (जैन) /Vratas (vows) Jain

(v) भक्ति (गीता)/Religious devotion (Gita)

(vi) अनेकांत (जैन) /Anekant (Jain)

♦♦♦

JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE, LADNUN

DISTANCE EDUCATION EXAMINATION - 2022

SUBJECT - JAINOLOGY AND COMPARATIVE RELIGION & PHILOSOPHY

M.A. FINAL

PAPER VII - JAIN RELIGION-PHILOSOPHY AND INDIAN RELIGION-PHILOSOPHY

TIME : 3.00 HOURS **ROLL NO. .....** **MM : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. जैन, बौद्ध एवं वेदान्त के अनुसार सत् के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the nature of being according to Jain, Bouddha & Vedant.

अथवा / OR

मोक्ष किसे कहते हैं? जैन और वेदान्त के अनुसार मोक्ष के स्वरूप की व्याख्या कीजिए।

What is Liberation? Explain its nature according to Jain & Vedant.

प्र. 2. अपरिग्रह किसे कहते हैं? जैन और योग दर्शन के अनुसार इसके स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

What is non-passession? Throw light on its nature according to Jain & Yoga Philosophy.

अथवा / OR

अथवा / OR

ह्यूम और जैनदर्शन के कारण–कार्य सिद्धान्त की तुलना कीजिए।

Compare the theory of cause and effect of Hume and Jain philosophy.

प्र. 4. जैन एवं ईसाई धर्म के नीतिशास्त्र पर प्रकाश डालिए।

Highlight the concept of Ethics of Jain and christian religion.

अथवा / OR

आर्थिक विषमता और अपरिग्रह पर निबन्ध लिखिए।

Write an essay on economical imbalance and non-passession.

प्र. 5. निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए–

Write short note on any two of the following-

(i) पर्यावरण का महत्त्व

Importance of Environment

(ii) लोकतंत्र एवं अनेकान्त

Democracy and Non-absolutism

(iii) स्वस्थ समाज संरचना एवं अणुव्रत

Healthy society and Anuvrat

♦♦♦

JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE, LADNUN

DISTANCE EDUCATION EXAMINATION - 2022

SUBJECT - JAINOLOGY AND COMPARATIVE RELIGION & PHILOSOPHY

M.A. FINAL

PAPER VIII - JAIN RELIGION-PHILOSOPHY AND NON-INDIAN RELIGION-PHILOSOPHY

TIME : 3.00 HOURS **ROLL NO. .....** **MM : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. काण्ट के आचार सम्बन्धी विचारों को स्पष्ट कीजिए।

Explain the Ethical thoughts of Kant.

अथवा / OR

अरस्तु के द्रव्य एवं आकार की जैनदृष्टि से तुलना कीजिए।

Compare the substance and mode of Aristotle and Jain Philosophy.

प्र. 2. लाइबनीज की चिदणुवाद की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

Explain the concept of monad of Leibnitz.

अथवा / OR

पाश्चात्यदर्शन में आत्मा–शरीर सम्बन्ध को समझाइए।

Explain the soul-body relation in western philosophy.

प्र. 3. डेकार्ट के अनुसार द्रव्य का स्वरूप लिखिए।

Write the nature of substance according to Descart.